अध्याय - 5 | समाजशास्त्र - अनुसंधान पद्धतियाँ

QUIZ-01

1. **समाज का अध्ययन करते समय एक समाजशास्त्री को आम व्यक्ति से क्या अलग बनाता है?**
A. ज्ञात तथ्यों की संख्या B. औपचारिक शिक्षा स्तर
C. ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ
D. व्यक्तिगत अनुभव (C)
व्याख्या: समाजशास्त्री समाज का अध्ययन वैज्ञानिक तरीकों से करते हैं, यही उन्हें आम व्यक्ति से अलग करता है।

2. **समाजशास्त्रीय अनुसंधान में 'रिफ्लेक्सिविटी' (Reflexivity) का क्या अर्थ है?**
A. साक्षात्कार रिकॉर्ड करना
B. दूसरों को दूर से देखना
C. शोधकर्ता द्वारा अपने पूर्वाग्रहों की जांच
D. आंकड़ों में विभिन्न दृष्टिकोणों को प्रस्तुत करना (C)
व्याख्या: रिफ्लेक्सिविटी का अर्थ है कि शोधकर्ता अपने दृष्टिकोण और सामाजिक पृष्ठभूमि की निरंतर समीक्षा करता है।

3. **समाजशास्त्र में वस्तुनिष्ठता प्राप्त करना प्राकृतिक विज्ञानों की तुलना में अधिक कठिन क्यों है?**
A. सामाजिक आंकड़े हमेशा गलत होते हैं
B. समाजशास्त्री स्वयं उस समाज का हिस्सा होते हैं
C. समाजशास्त्री तकनीक का उपयोग नहीं करते
D. समाजशास्त्र में सार्वभौमिक सिद्धांत नहीं होते (B)
व्याख्या: चूंकि समाजशास्त्री उसी समाज का हिस्सा होते हैं, जिसका वे अध्ययन करते हैं, इसलिए पूर्वाग्रह की संभावना बढ़ जाती है।

4. **प्रतिभागी अवलोकन की मुख्य विशेषता क्या है?**
A. यह शीघ्र और सस्ता होता है
B. यह कई स्थानों को कवर करता है
C. यह आंतरिक दृष्टिकोण से गहन जानकारी देता है
D. यह स्वतः सभी पूर्वाग्रहों को समाप्त कर देता है (C)
व्याख्या: प्रतिभागी अवलोकन से शोधकर्ता समुदाय की अंदरूनी समझ प्राप्त करता है।

5. **समाजशास्त्रीय अनुसंधान में 'त्रिकोणीयकरण' का क्या तात्पर्य है?**
A. एक विधि को कई बार दोहराना
B. परिणामों को सत्यापित करने हेतु गणितीय उपकरणों का उपयोग
C. एक ही समस्या पर कई विधियों का उपयोग करना
D. साक्षात्कार द्वारा त्रुटियाँ हटाना (C)
व्याख्या: त्रिकोणीयकरण का अर्थ है एक ही समस्या को विभिन्न दृष्टिकोणों से देखने के लिए कई विधियों का उपयोग करना।

6. **बड़े जनसंख्या समूहों के अध्ययन के लिए सर्वेक्षण विधि को क्यों प्रभावी माना जाता है?**
A. सर्वेक्षण हमेशा ऑनलाइन होते हैं
B. यह केवल ग्रामीण क्षेत्रों पर केंद्रित होता है
C. यह प्रतिनिधि नमूने द्वारा सामान्य निष्कर्ष देता है
D. यह केवल दृश्य आंकड़ों पर निर्भर करता है (C)
व्याख्या: सर्वेक्षण विधि में प्रतिनिधि नमूना लिया जाता है जिससे पूरे जनसंख्या समूह पर निष्कर्ष निकाला जा सकता है।

7. **नमूना चयन में 'रैंडमाइजेशन' का मुख्य सिद्धांत क्या है?**
A. सुविधा के आधार पर चयन
B. जाति के आधार पर चयन
C. केवल अवसर (चांस) के आधार पर चयन
D. केवल शहरी क्षेत्र को चुनना (C)
व्याख्या: रैंडमाइजेशन का उद्देश्य है कि चयन केवल संयोगवश हो, ताकि निष्पक्षता बनी रहे।

8. **भावनाओं और आंतरिक दृष्टिकोणों के अध्ययन के लिए उपयुक्त विधि कौन-सी है?**
A. मात्रात्मक विधियाँ B. सर्वेक्षण
C. ऐतिहासिक विश्लेषण D. गुणात्मक विधियाँ
(D)
व्याख्या: गुणात्मक विधियाँ व्यक्तियों की भावनाओं, मान्यताओं और अर्थों को समझने के लिए उपयुक्त होती हैं।

9. **ब्रोनिस्लाव मालिनोव्स्की का मानवशास्त्र में मुख्य योगदान क्या था?**
A. उन्होंने नई जनजातियों की खोज की
B. उन्होंने जनगणना का निर्माण किया
C. उन्होंने प्रतिभागी अवलोकन को एक विधि के रूप में स्थापित किया
D. उन्होंने भारत में पहला समाजशास्त्रीय सर्वे किया (C)
व्याख्या: मालिनोव्स्की ने प्रतिभागी अवलोकन को मानवशास्त्र की प्रमुख शोध विधि के रूप में स्थापित किया।

10. **सर्वेक्षण विधि की एक प्रमुख सीमा क्या है?**
A. यह शहरी क्षेत्रों तक नहीं पहुँचती
B. इसमें मानक प्रक्रिया नहीं होती
C. यह सांख्यिकीय आंकड़ों को नहीं संभाल सकती
D. इसमें गहराई की कमी होती है (D)
व्याख्या: सर्वेक्षण प्रश्नावली आधारित होता है, इसलिए यह गहरी या व्यक्तिगत जानकारी देने में सक्षम नहीं होता।

मिशन ज्ञान जब चाह, जहाँ चाह, जैसे चाह!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App